

माया की चाह वालों ने, मैंने को भुला दिया  
मैंने तो खुशियों वाली, तूने, खला दिया

माया की चाह - - - - - मैंने तो - - - - -

① भजधार में थी, जिन्दगी ये भूल गये तुम  
जब पा लिया, ठिकाना, तूने, क्या सिला दिया  
मैंने तो - - - - -

② दबका के, गले दौर में आते थे, मैं के पास  
धोखे पे, धोखे के, तूने, दिल, हिला दिया  
मैंने तो - - - - -

③ तूने आंसूओं, से धोये थे चरणों, को, कई बार  
मुझ जिन्दगी, थी तेरी, मैंने, जिला दिया  
मैंने तो - - - - -

④ बेजान, चीज, ठीक है, जो बदला, नहीं लेती  
तेरी चाह को, लानत है अब, जिसने, गिला दिया  
मैंने तो - - - - -

⑤ हर दर्द, को सहते रहे हंसते हुए "श्री बाबा श्री"  
की वक्त, ने नादानी, जो तुमसे, मिला दिया  
मैंने तो - - - - -

माया की चाह - - - - -